



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 108] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 26, 1973/चैत्र 5, 1895

No. 108] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 26, 1973/CHAITRA 5, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

### ORDER

*New Delhi, the 26th March 1973*

**S.O. 172(E)/15/IDRA/73.**—Whereas the industrial undertaking known as M/s. Britannia Engg. Works (Wagons Division) Mokameh, in Patna (Bihar) is engaged in the scheduled industries namely, metallurgical and transportation industries.

And whereas the Central Government is of the opinion that the industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industries concerned and to public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:

#### *Chairman*

1. Shri K. T. V. Raghavan, Joint Director (Mech.) Engg. (W)/Rly. Board.

#### *Members*

2. Shri Hasan Iqbal, Dy. Director, Finance(S), Railway Board.
3. Shri R. K. Shukla, Dy. Director, Stores (PP), Railway Board.
4. Shri M. K. Mandal, Manager (Technical), IRCI, Calcutta.

The above body shall submit its report within a period of eight weeks from the date of publication of this Order in the official gazette.

[No. F. 4/2/73-CUC.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

## औद्योगिक विकास मंत्रालय

## आदेश

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1973

का० आ० 172 (अ)/15/आई० डी० आर० ए०/73—यतः / मैसर्स ब्रिटानिया इजिनियरिंग वर्क्स (वैगन डिजिजन) मोकामेह, पटना (बिहार) नामक औद्योगिक उपक्रम अनुसूचित उद्योग अर्थात् धातुकार्मिक और परिवहन उद्योगों में लगा है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध इस रूप में चलाया जा रहा है जो संबंधित अनुसूचित उद्योगों के लिए और लोकहित में अत्यन्त हानिकर है ;

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस मामले की परिस्थितियों में पूरी तरह से अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ एतद्द्वारा एक निकाय नियुक्त करती है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

1. श्री के० टी० बी० राघवन, अध्यक्ष  
संयुक्त निदेशक (यांत्रिक)  
इन्जी० (संकर्म) रेल-बोर्ड ।
2. श्री हमन इकबाल, सदस्य  
उप-निदेशक, वित्त (एम)  
रेल-बोर्ड ।
3. श्री आर० के० शुक्ला,  
उप-निदेशक  
भंडार (पी पी)  
रेल-बोर्ड ।
4. श्री एम० के० मंडल,  
प्रबंधक (तकनीकी)  
आई आर सी आई, कलकत्ता ।

उपर्युक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से आठ सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

[सं० फा० 4 / 2/73-सी० यु० सी०]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।